Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



ARJUN BATCH

11th History
Chapter-4 | Part-7

तीन वर्ग (Three Orders)

चौथा वर्ग-नगर और नगरवासी, कथीड्रल नगर

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

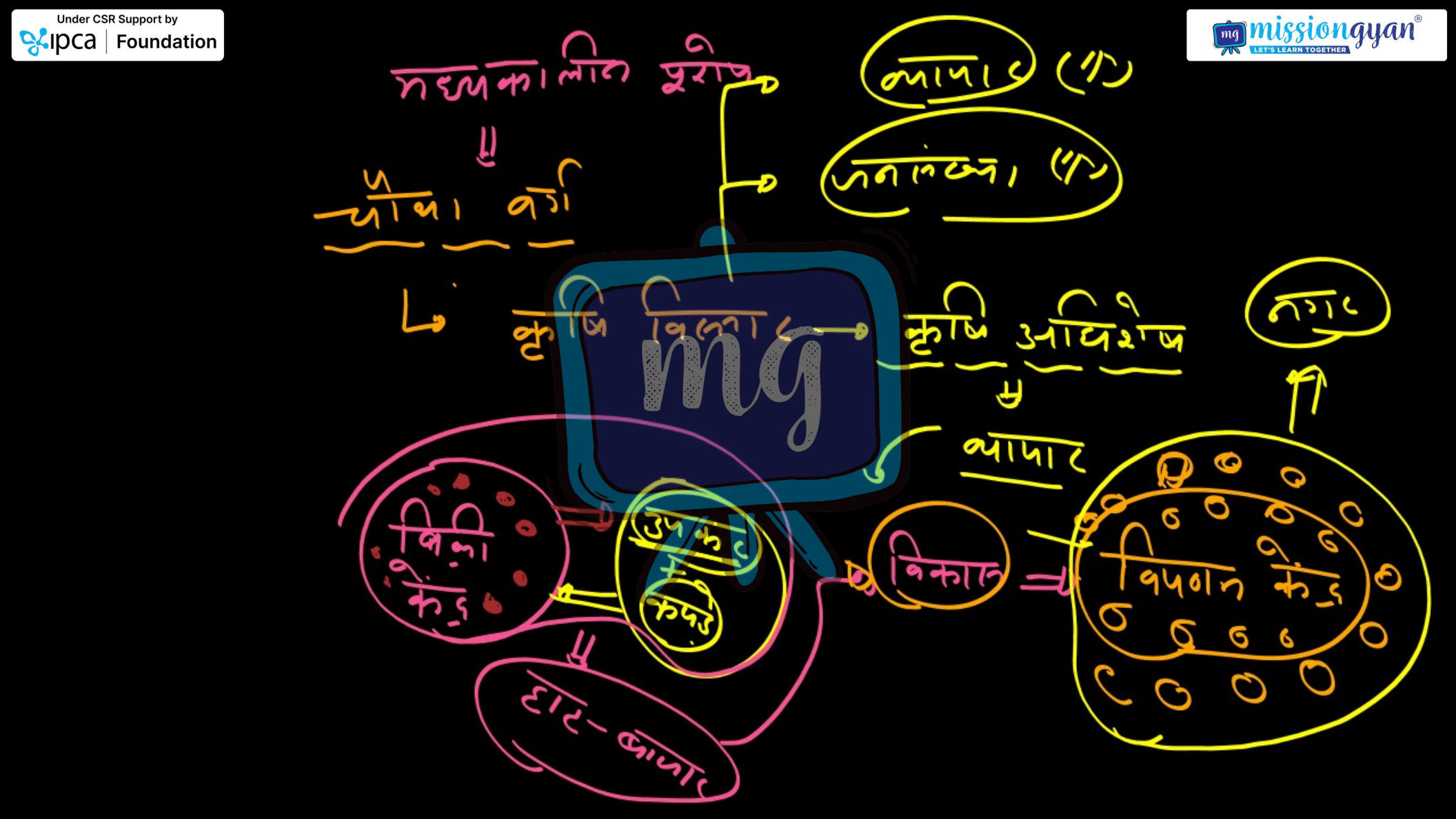
आज क्या पढ़ेंगे ?



1. चौथा वर्ग: नए नगर और नगरवासी
2. कथीड्रल-नगर
3. चौदहवीं सदी का संकट

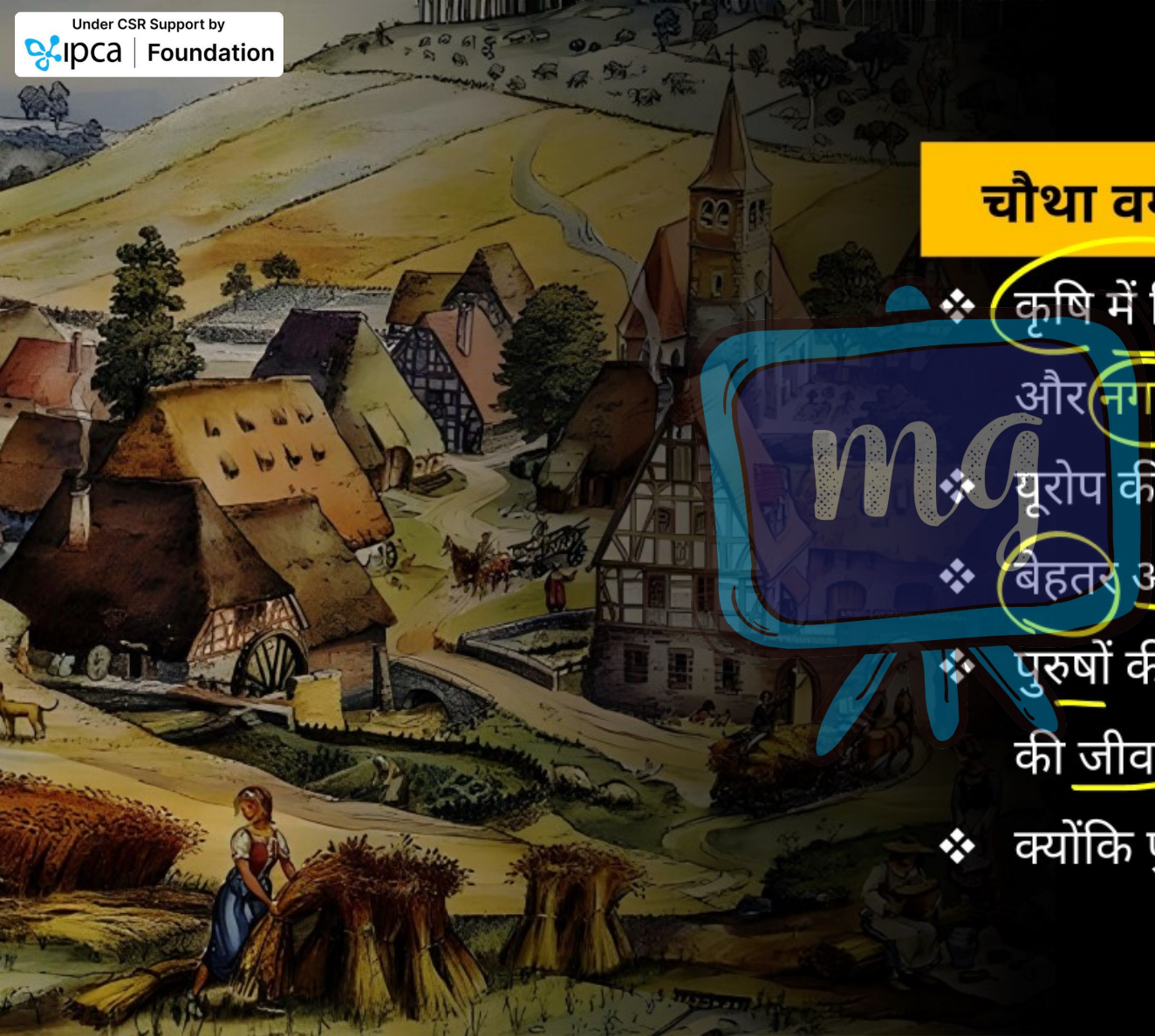
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



चौथा वर्ग? नए नगर और नगरवासी

- कृषि में विस्तार के साथ जनसंख्या, व्यापार और नगरों का विस्तार हुआ।
- यूरोप की जनसंख्या में वृद्धि हुई ।
- बेहतर आहार का अर्थ लंबी जीवन अवधि था।
- पुरुषों की तुलना में स्त्रियों और बालिकाओं की जीवन-अवधि छोटी होती थी ।
- क्योंकि पुरुष बेहतर भोजन करते थे।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

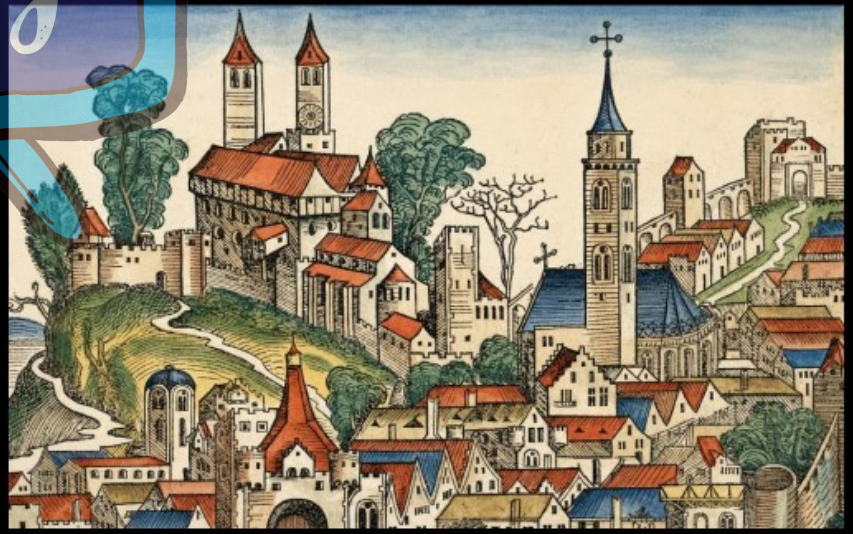


- रोमन साम्राज्य के पतन के पश्चात उसके नगर तबाह हो गए थे।
- ग्यारहवीं सदी से कृषि का विस्तार हुआ और नगर फिर से बढ़ने लगे।
- कृषकों को एक ऐसे स्थान की आवश्यकता थी जहाँ वे अपना एक बिक्री केन्द्र स्थापित कर सकें और अपने उपकरण और कपड़े खरीद सकें।
- इस ज़रूरत से हाट-मेलों को बढ़ावा दिया ।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- छोटे विपणन केन्द्रों का विकास हुआ।
- धीरे-धीरे नगरों के लक्षण विकसित होने लगे।
- नगरों में लोग उन लॉर्डों को जिनकी भूमि पर नगर बसे थे, कर देने लगे।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- नगरों ने कृषक परिवारों के जवान लोगों को लॉर्ड के नियंत्रण से मुक्ति की संभावनाएँ प्रदान कीं।
- 'नगर की हवा स्वतंत्र बनाती है' एक प्रसिद्ध कहावत थी।
- नगरों में रहने वाले अधिकतर व्यक्ति या तो स्वतंत्र कृषक या भगोड़े कृषिदास थे।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- बाद में विशिष्ट कौशल वाले व्यक्तियों जैसे – साहूकार और वकीलों की आवश्यकता हुई।
- उन्होंने समाज में एक चौथा वर्ग बना लिया था।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

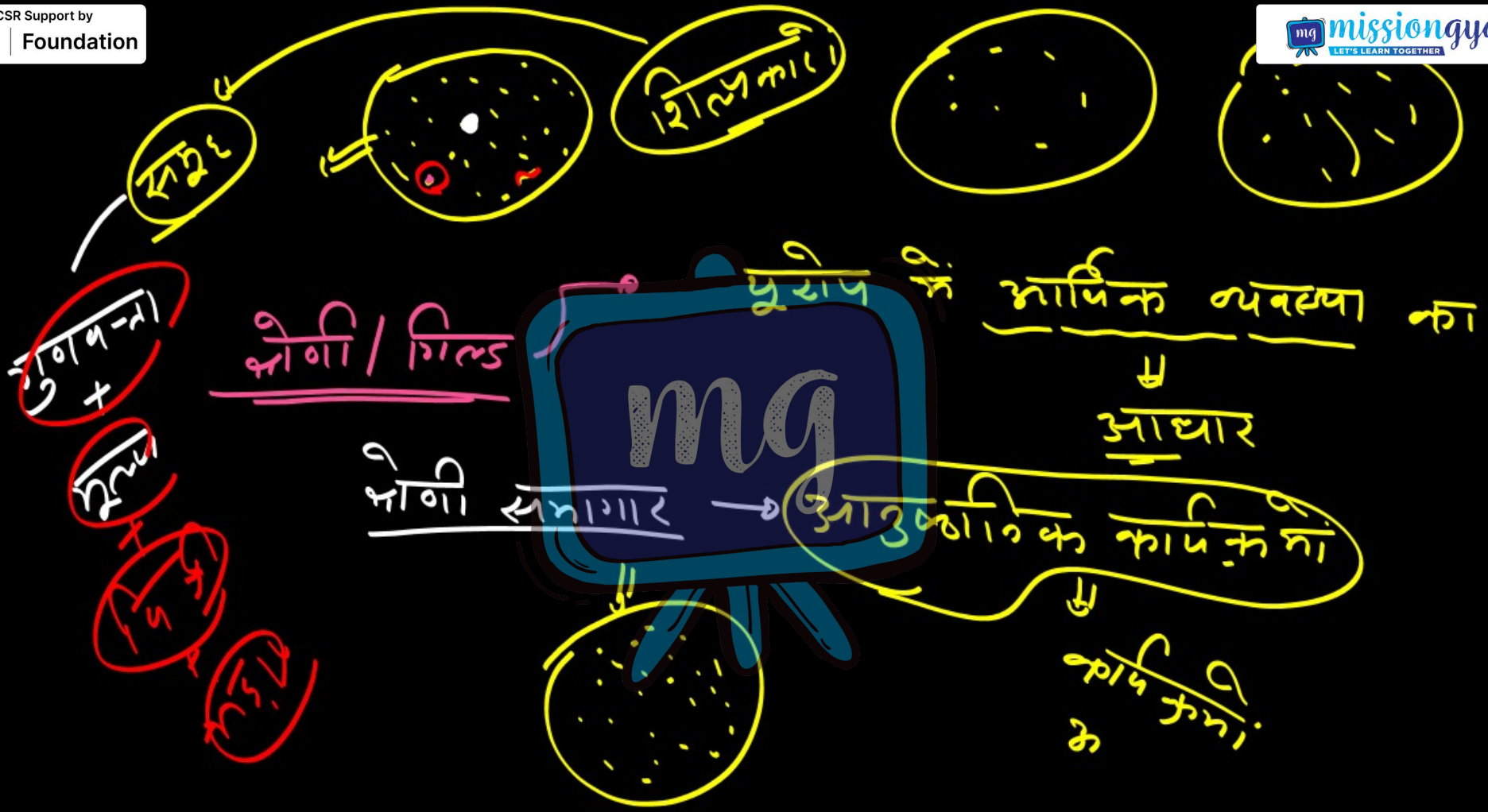
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- आर्थिक संस्था का आधार 'श्रेणी' था।
- प्रत्येक शिल्प या उद्योग एक 'श्रेणी' के रूप में संगठित था।
- श्रेणी उत्पाद की गुणवत्ता, मूल्य और बिक्री पर नियंत्रण रखती थी।
- 'श्रेणी सभागार' प्रत्येक नगर का आवश्यक अंग था।
- यहाँ आनुष्ठानिक समारोहों व गिल्डों के प्रधान औपचारिक रूप से मिला करते थे।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by ipca | Foundation

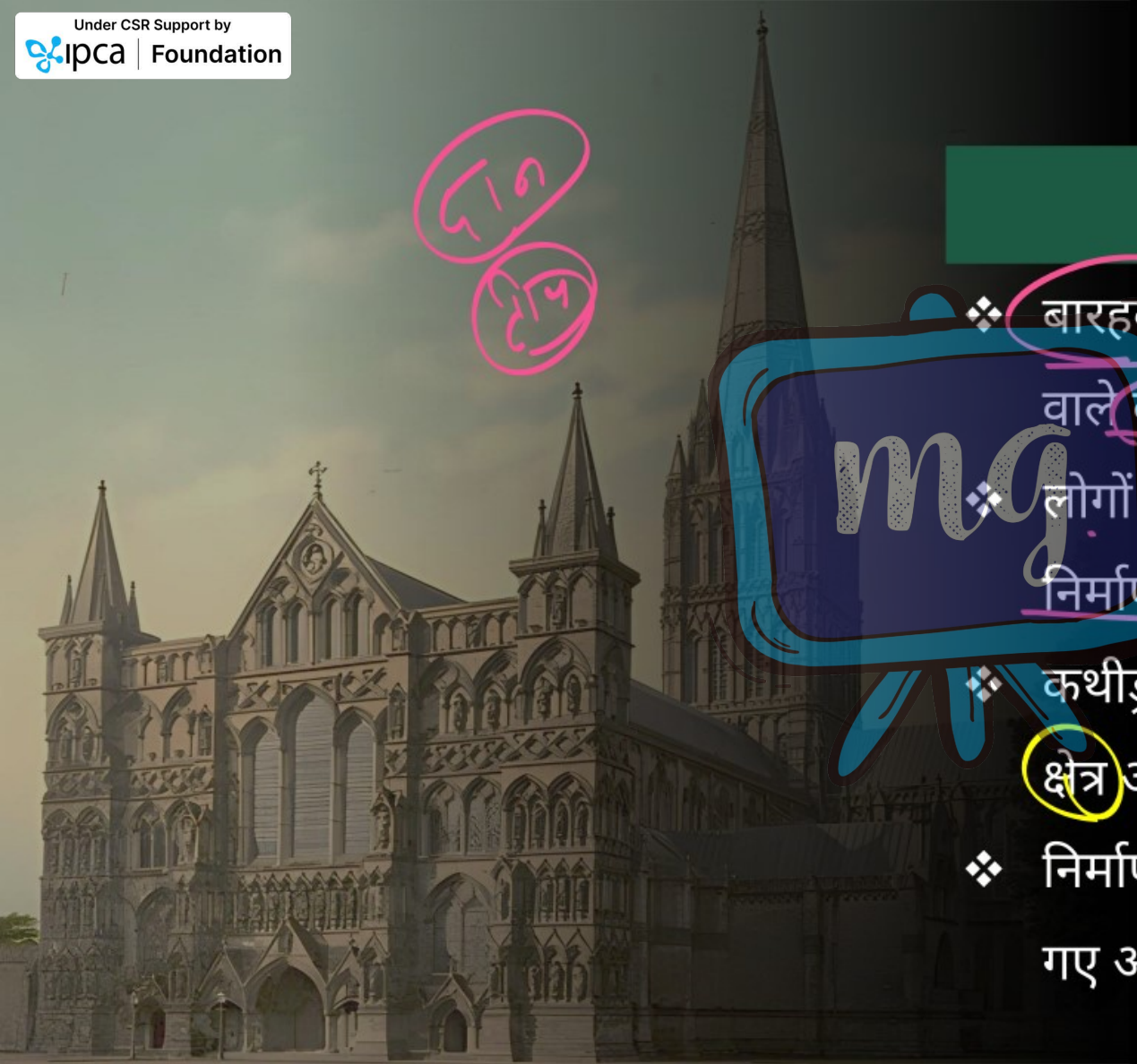
missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- ग्यारहवीं सदी आते-आते, पश्चिम एशिया के साथ नवीन व्यापार-मार्ग विकसित हो रहे थे।
- स्कैंडिनेविया के व्यापारी वस्त्र के बदले में फ़र और शिकारी बाज़ लेने के लिए आते थे।
- अंग्रेज़ व्यापारी राँगा बेचने के लिए आते थे।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

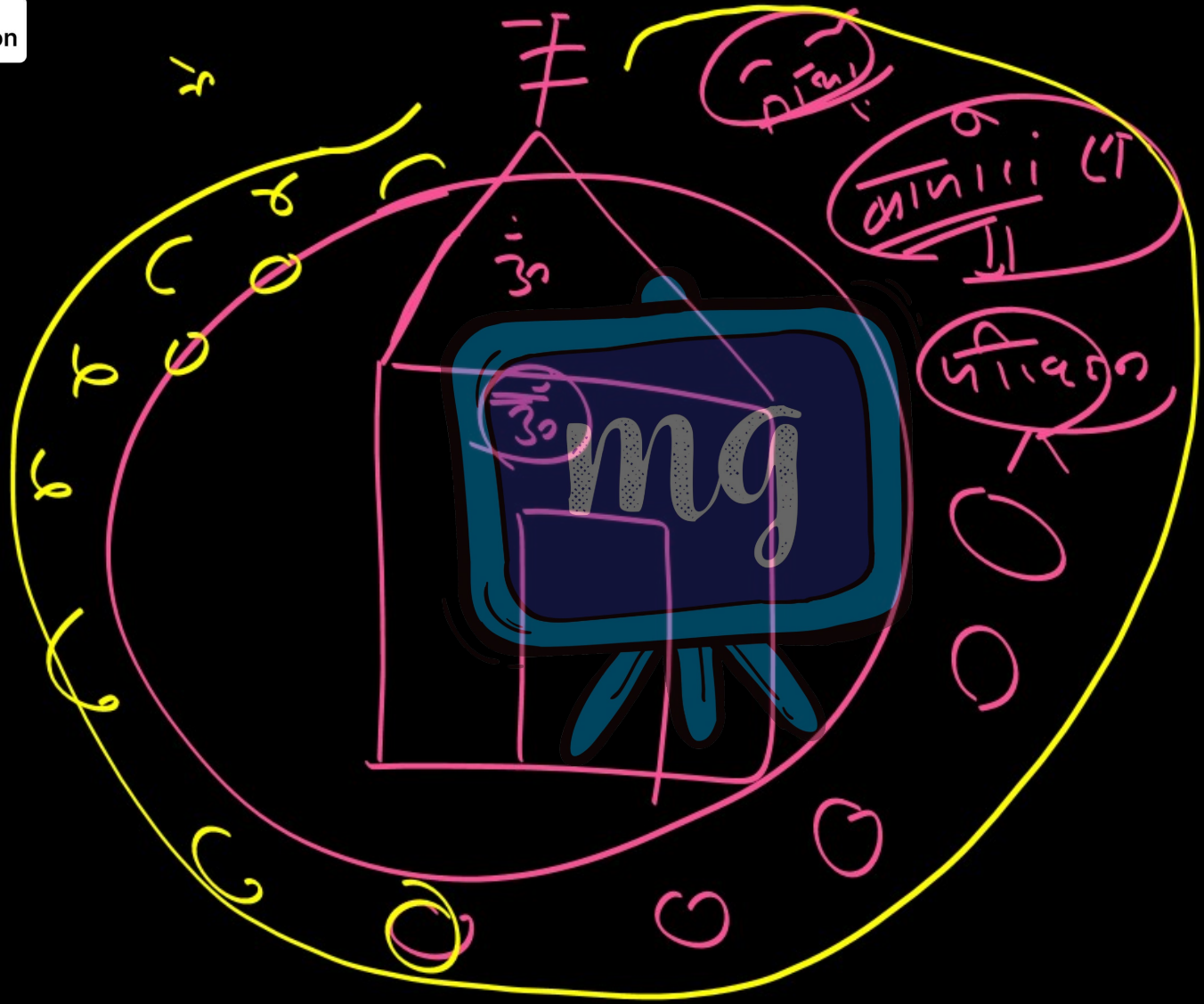
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



कथीड्रल-नगर

- बारहवीं सदी से फ्रांस में कथीड्रल कहलाने वाले बड़े चर्चों का निर्माण होने लगा।
- लोगों ने अपने श्रम, वस्तुओं और धन से उनके निर्माण में सहयोग दिया।
- कथीड्रल के निर्माण के समय आसपास का क्षेत्र और अधिक बस गया।
- निर्माण पूर्ण होने पर वे स्थान तीर्थ स्थल बन गए और छोटे नगर विकसित हुए।

Under CSR Support by
ipca | Foundation



missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

चौदहवीं सदी का संकट

- इस समय यूरोप का आर्थिक विस्तार धीमा पड़ गया।
- उत्तरी यूरोप में तेज़ ग्रीष्म ऋतु का स्थान तीव्र ठंडी ग्रीष्म ऋतु ने ले लिया था।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

